प्रिय मित्र संतोष,
सप्रेम नमस्कार।

तुम्हारा प्रेम भरा पत्र मिला। पढ़कर कुशल मंगल से आनंद मिला कि तुम सपरिवार कुशल मंगल से हो। तुम प्रथम सत्र की परीक्षा की तैयारी में लगे हो यह जानकर और भी खुशी हुई। इधर मैं भी परीक्षा की तैयारी में लगा हूँ।

आपका मित्र

शिवानी